Date : 14 फ़रवरी 2023

स्थलरुद्ध हरिय़ाणा और दिल्ली मुंबई एक्सप्रैस वे

स्थलरुद्ध हरिय़ाणा और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रैस-वे

संदर्भ- हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को कहा कि भविष्य में हरियाणा को भारत के प्रमुख बंदरगाह शहरों से जोड़ने वाले दिल्ली मंबई एक्सप्रैस-वे से राज्य की निर्यात क्षमता बढ़ेगी। इससे दिल्ली मंबई के यात्रा समय में लगभग 24 घण्टे की कमी आएगी।

स्थलरुद्ध(land locked) – वह क्षेत्र जिसकी सीमा केवल स्थल से मिलती हैं। स्थलरुद्ध क्षेत्र कहलाता है। विश्व में कुल 47 स्थलरुद्ध मान्यता प्राप्त देश हैं। यदि किसी क्षेत्र की सीमा लैंडलॉक देशों से घिरी हो तो उसे डबल लैंड लॉक्ड कंट्री कहा जाता है। भारत लैंड लॉक्ड देश नहीं है।
भारत के 18 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश लैंड लॉक्ड हैं। इसके साथ ही 6 डबल लैंड लॉक्ड राज्य (हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और दिल्ली) हैं।

स्थलरुद्ध क्षेत्र की समस्याएं

आर्थिक हानि- स्थलरुद्ध राज्य या देश को समुद्री व्यापार करने के लिए उसे पड़ोसी राज्यों व देशों को प्राकृतिक टैरिफ देना पड़ता है। इसके कारण परिवहन लागत व समय अधिक लगता है जो उसके व्यापार को नुकसान पहुँचा सकता है।
प्रतिस्पर्धा में कमी- उच्च परिवहन लागत के कारण यह बाजार में ट्रांजिट देशों से पीछे रह जाता है। और निवेशकों को हतोत्साहित करता है। आर्थिक विकास को कम करता है, लैंडलॉक्ड क्षेत्र की क्षमता सीमित हो जाती है। इन समस्याओं का वर्तमान समाधान एक्सप्रैस वे को माना जा रहा है।

एक्सप्रैस वे- भारत में उच्चतम **क्षमता** की सड़कों को एक्सप्रैस वे कहा जाता है।

- भारत में वर्तमान एक्सप्रैस वे की लंबाई 3592.3 किमी. है।
- इन्हें 120 किमी प्रतिघण्टे की गति के लिए डिजाइन किया जाता है।
- इसमें प्रवेश व निकास के लिए इण्टरचेंज, तुरही या रैंप की व्यवस्था की जाती है।
- वर्तमान में भारत का सबसे लंबा एक्सप्रैस वे, मुंबई नागपुर एक्सप्रैस वे और सबसे चौड़ा दिल्ली मेरठ एक्सप्रैस वे का डासना प्रभाग है।

दिल्ली मुंबई एक्सप्रैस वे-

- स्थलरुद्ध राज्य हरियाणा को बंदरगाहों से जोड़ने के लिए दिल्ली मुंबई एक्सप्रैस वे का प्रारंभ किया गया है।
- यह भारत का सबसे बड़ा, 1380 किमी. लंबा व 8 लेन का एक्सप्रैस वे होगा।
- यह भारत के सबसे बड़े वित्तीय शहरों दिल्ली व मुंबई को जोड़ेगा। यह दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात व महाराष्ट्र को जोड़ेगा।
- वन्यजीव संरक्षण के लिए पशु ओवरपास व अंडरपास बनाने की योजना है। हाल ही में सोलापुर मंगलवेदा नेशनल हाइवे में 12 काले हिरणों की मौत जैसी घटनाओं में कमी आएगी।

एक्सप्रैस वे के लाभ

- यातायात में लगने वाले समय, ईंधन व लागत को कम करता है। जिसे आयात व निर्यात के अतिरिक्त व्यय को भी कम किया जा सकेगा।
- ईंधन के कम प्रयोग के कारण कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, जो **शून्य** कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य में सहायक हो सकता है।
- एक्सप्रैस का निर्माण विशाल **स्तर** पर है, इस प्रकार के विकास से रोजगार सृजन होगा।

हरियाणा की आर्थिक स्थिति

- हरियाणा की सीमा उत्तर **प्रदेश**, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, हिमांचल **प्रदेश**, राज्यों से लगी हुई है।

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

- निर्यात तत्परता सूचकांक 2021 के अनुसार लैंडलॉक राज्यों में हरियाणा का स्थान उच्चतम है। तथा ओवरॉल रैंकिंग में पाँचवां स्थान रहा।
- DIPP और विश्व बैंक रैंकिंग में हरियाणा का स्थान देश में तीसरा है।
- हरियाणा पारंपरिक रूप से कृषि आधारित राज्य है। यह देश का चौथा सबसे बड़ा कपास उत्पादक राज्य है।
- कृषि के अतिरिक्त वर्तमान अर्थव्यवस्था इसके उद्योगों पर आधारित हैं- मोटर वाहन, आईटी, पैट्रोकैमिकल आदि। यह देश का सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल केंद्र भी है।
- पानीपत रिफाइनरी, एशिया की दूसरी सबसे बड़ी ऑयल रिफाइनरी है।
- एक्सप्रैस-वे का निर्माण लैंडलॉक राज्यों को अन्य ट्रांजिट क्षेत्रों को जोड़ने के लिए किया जा सकता है। इससे समय तो बचाया जा सकता है किंतु दूरी अधिक तय करनी पड़ती है जिसमें टोल टैक्स की कीमत अधिक हो सकती है। समय बचाने के लिए यह बेहतर समाधान साबित हो सकता है।

गुंजन जोशी

दयानंद सरस्वती

संदर्भ- हाल ही में 12 फरवरी को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज सुधारक दयानंद सरस्वती को उनकी 200वी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

दयानंद सरस्वती

- 19वी शताब्दी के समय दयानंद सरस्वती भारत के प्रमुख समाज सुधारकों में से एक थे।
- इन्हें हिंदू धर्म के मार्टिन लूथर के रूप में भी जाना जाता था।
- उन्होंने हिंदू धर्म के भीतर आई रुढ़िवादी कुरीतियों को दूर करने के लिए समाज सुधार आंदोलन प्रारंभ किया।
- समाज सुधार के लिए उन्होंने आर्य समाज की स्थापना की।
- समाज सुधारक आंदोलन के तहत अत्यधिक कर्मकांडों का विरोध किया।
- महिला सुधार कार्य जैसे बाल विवाह का विरोध, बालिका शिक्षा का समर्थन आदि।
- स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख कृतियाँ- सत्यार्थ प्रकाश, वेद भाष्यम, सत्यार्थ भौमिका, संस्कार विधि, ऋग्वेद भाष्यम, यजुर्वेद भाष्यम आदि।

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

आर्य समाज

हिंदू धर्म में सुधार के लिए दयानंद सरस्वती ने 10 अप्रैल 1875 में आर्य समाज की स्थापना की। आर्य समाज में राम व कृष्ण को आदर्श माना गया है। दयानंद सरस्वती ने कई यात्राएं कर आर्य समाज के सिद्धांतों का प्रचार किया। इसके निम्नलिखित सिद्धांत थे-

- विद्या सत्य है तथा विद्या का आदि मूल परमेश्वर है।
- वेद सब सत्य विद्याओं की पुस्तक हैं । वेदों को पढ़ना तथा सुनना सभी आर्यो का परम धर्म हैं।
- सत्य को ग्रहण करने और असत्य को त्यागने में सर्वदा उद्यत रहना चाहिए ।
- सब कार्य तर्क के आधार पर धर्मानुसार करने चाहिए।
- संसार का उपकार करना आर्य समाज का मुख्य उद्देश्य हैं।
- सबसे प्रीतिपूर्वक, यथानुसार, धर्मयोग्य व्यवहार करना चाहिए।
- अविद्या का नाश और विद्या की वृद्धि करनी चाहिए ।
- प्रत्येक को अपनी उन्नति में संतुष्ट नहीं रहना चाहिए तथा सभी को उन्नति को अपनी उन्नति समझना चाहिए।
- सभी मनुष्य प्रत्येक हितकारी नियम में स्वतन्त्र हैं।
- ईश्वर निराकार तथा सर्वशक्तिशाली हैं।

आर्य समाज के कार्य-

- सनातन सत्य – आर्य समाज में वेदों को सनातन धर्म का अंतिम सत्य माना गया। वेदों से विरोधाभास रखने वाले विचारों का आर्य समाज में खण्डन किया गया। दयानंद सरस्वती ने वेदों की ओर लौटो का नारा दिया।
- शुद्धि आंदोलन- दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज के अंतर्गत 1920 के दशक में शुद्धि आंदोलन शुरु किया। इसके तहत मोपाला विद्रोह व बंगाल विभाजन के समय बलपूर्वक ईसाई व मुस्लिम धर्म ग्रहण कर चुके सनातनियों को पुनः हिंदू धर्म में प्रवेश दिलवाया।
- सामाजिक समता – सामाजिक समता बढ़ाने के लिए अस्पृश्यता का विरोध किया तथा जन्म आधारित जाति व्यवस्था का विरोध किया।
- शिक्षा का समर्थन- धार्मिक कुरीतियों को दूर करने के लिए वैदिक शिक्षा को दयानंद सरस्वती ने अत्यधिक समर्थन दिया और बालिकाओं की शिक्षा के लिए अनेक प्रयास किए। उनके बाद उनके अनुयायी लाला हंसराज ने दयानंद एंग्लो वैदिक कॉलेज(D.A.V.) की स्थापना(1886) लाहौर में की थी। जिसमें वैदिक शिक्षा के साथ समझौता किए बिना पश्चिमी शिक्षा दी जाती थी।
- विवाह संबंधी सुधार- दयानंद सरस्वती ने एक ओर बाल विवाह का विरोध कर बालिकाओं की शिक्षा का प्रचार किया तो दूसरी ओर अंतर्जातीय विवाह का समर्थन कर जाति व्यवस्था में सुधार करने का प्रयास किया। इसके साथ ही विधवा विवाह का समर्थन और सती प्रथा का विरोध कर तत्कालीन विधवाओं को उनकी दयनीय स्थिति से बचाया।

Yojna IAS योजना है तो सफलता है yojnaias.com

दयानंद सरस्वती की विरासत

- भारत में राष्ट्रवादी विचारधारा के आगमन के समय सर्वप्रथम स्वराज(स्वशासन) शब्द का प्रयोग किया जिस शब्द का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपना स्वतंत्र इतिहास है।
- तत्कालीन निम्न जातीय लोगों को पर्याप्त सम्मान मिला।
- वर्तमान भारत में आर्य समाज के सिद्धांतों पर आधारित एंग्लो इंडियन विद्यालय और कॉलेज प्रचालित हैं।

गुंजन जोशी

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com